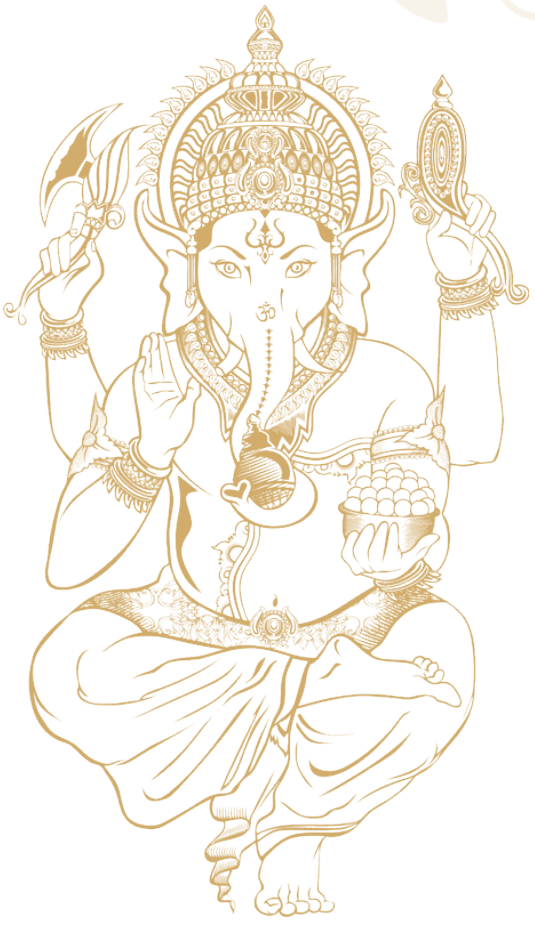

Sakshi

16 Feb 2000

04:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121259502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/02/2000**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:45:00 घंटे**
इष्ट	54:21:20 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	14:04:58 घंटे
सूर्योदय	07:00:27 घंटे
सूर्यास्त	18:10:30 घंटे
दिनमान	11:10:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:43:36 कुम्भ
लग्न के अंश	22:58:06 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	22:58:06	364:32:52	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	02:43:36	01:00:35	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	12:29:25	14:31:39	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मीन	09:08:03	00:45:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कुंभ	20:47:09	00:52:43	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	06:19:11	00:09:54	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	03:23:47	01:14:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	17:32:18	00:03:42	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु			कर्क	09:44:05	00:01:24	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:44:05	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	23:30:15	00:03:27	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:01:51	00:02:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:48:54	00:00:58	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			तुला	09:37:07	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:18

लग्न-चलित

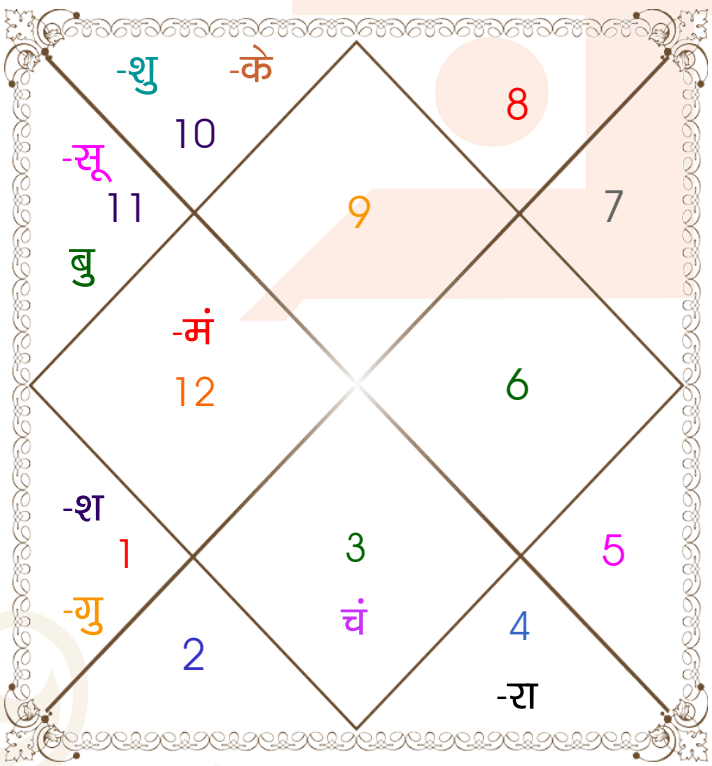

चन्द्र कुंडली

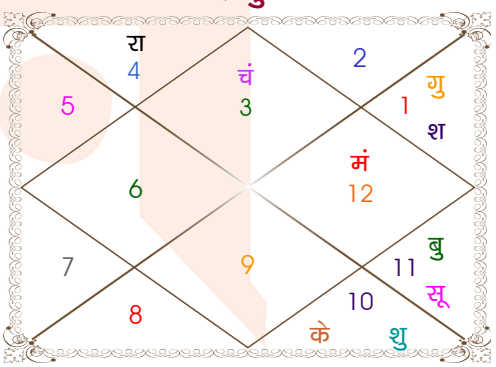

नवमांश कुंडली

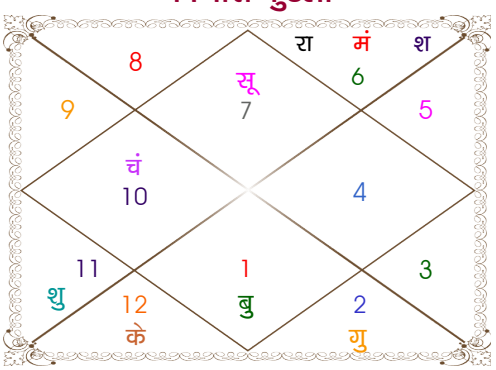

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 1 मास 20 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/02/2000		07/04/2010		07/04/2026		06/04/2045		07/04/2062	
07/04/2010		07/04/2026		06/04/2045		07/04/2062		06/04/2069	
	00/00/0000	गुरु	25/05/2012	शनि	09/04/2029	बुध	03/09/2047	केतु	03/09/2062
	16/02/2000	शनि	06/12/2014	बुध	19/12/2031	केतु	30/08/2048	शुक्र	03/11/2063
शनि	19/03/2000	बुध	13/03/2017	केतु	26/01/2033	शुक्र	01/07/2051	सूर्य	10/03/2064
बुध	06/10/2002	केतु	17/02/2018	शुक्र	28/03/2036	सूर्य	07/05/2052	चंद्र	09/10/2064
केतु	25/10/2003	शुक्र	18/10/2020	सूर्य	10/03/2037	चंद्र	06/10/2053	मंगल	07/03/2065
शुक्र	25/10/2006	सूर्य	06/08/2021	चंद्र	09/10/2038	मंगल	03/10/2054	राहु	25/03/2066
सूर्य	18/09/2007	चंद्र	06/12/2022	मंगल	18/11/2039	राहु	22/04/2057	गुरु	01/03/2067
चंद्र	19/03/2009	मंगल	12/11/2023	राहु	24/09/2042	गुरु	29/07/2059	शनि	09/04/2068
मंगल	07/04/2010	राहु	07/04/2026	गुरु	06/04/2045	शनि	07/04/2062	बुध	06/04/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/04/2069		06/04/2089		07/04/2095		07/04/2105		07/04/2112	
06/04/2089		07/04/2095		07/04/2105		07/04/2112		00/00/0000	
शुक्र	06/08/2072	सूर्य	25/07/2089	चंद्र	05/02/2096	मंगल	04/09/2105	राहु	19/12/2114
सूर्य	06/08/2073	चंद्र	24/01/2090	मंगल	05/09/2096	राहु	22/09/2106	गुरु	14/05/2117
चंद्र	07/04/2075	मंगल	31/05/2090	राहु	07/03/2098	गुरु	29/08/2107	शनि	17/02/2120
मंगल	06/06/2076	राहु	25/04/2091	गुरु	07/07/2099	शनि	07/10/2108		00/00/0000
राहु	07/06/2079	गुरु	11/02/2092	शनि	06/02/2101	बुध	04/10/2109		00/00/0000
गुरु	05/02/2082	शनि	23/01/2093	बुध	08/07/2102	केतु	02/03/2110		00/00/0000
शनि	06/04/2085	बुध	30/11/2093	केतु	06/02/2103	शुक्र	02/05/2111		00/00/0000
बुध	05/02/2088	केतु	07/04/2094	शुक्र	07/10/2104	सूर्य	07/09/2111		00/00/0000
केतु	06/04/2089	शुक्र	07/04/2095	सूर्य	07/04/2105	चंद्र	07/04/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 1 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।